परिशिष्ट सारणी 1 : राज्य सरकारों के प्रमुख घाटा संकेतक

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्ष	सकल राजकोषीय घाटा	राजस्व घाटा	परंपरागत घाटा	प्राथमिक घाटा	भा.रि.बैंक से राज्यों को निवल ऋण
1	2	3	4	5	6
1990-91	18,787 (3.3)	5,309 (0.9)	-72 (0.0)	10,132 (1.8)	420 (0.1)
1991-92	18,900 (2.9)	5,651 (0.9)	156 (0.0)	7,956 (1.2)	-340 (-0.1)
1992-93	20,891 (2.8)	5,114 (0.7)	-1,829 (-0.2)	7,681 (1.0)	176 (0.0)
1993-94	20,364 (2.4)	3,872 (0.5)	363 (0.0)	4,564 (0.5)	591 (0.1)
1994-95	27,308 (2.7)	6,706 (0.7)	-4,346 (-0.4)	7,895 (0.8)	48 (0.0)
1995-96	30,870 (2.6)	8,620 (0.7)	-2,680 (-0.2)	9,031 (0.8)	16 (0.0)
1996-97	36,561 (2.7)	16,878 (1.2)	7,202 (0.5)	11,175 (0.8)	898 (0.1)
1997-98	43,474 (2.9)	17,492 (1.1)	-1,803 (-0.1)	13,675 (0.9)	1,543 (0.1)
1998-99	73,295 (4.2)	44,462 (2.6)	3,268 (0.2)	37,854 (2.2)	5,579 (0.3)
1999-00	90,099 (4.6)	54,548 (2.8)	3,125 (0.2)	45,458 (2.3)	1,312 (0.1)
2000-01	87,923 (4.2)	55,316 (2.6)	-2,379 (-0.1)	36,937 (1.8)	-1,092 (-0.1)
2001-02	94,260 (4.1)	60,398 (2.6)	3,545 (0.2)	32,665 (1.4)	3,451 (0.2)
2002-03	99,726 (4.1)	57,179 (2.3)	-4,291 (-0.2)	30,699 (1.2)	-3,100 (-0.1)
2003-04	1,20,631 (4.4)	63,407 (2.3)	-526 (0.0)	40,235 (1.5)	293 (0.0)
2004-05	1,07,774 (3.4)	39,158 (1.3)	-10,232 (-0.3)	21,353 (0.7)	-2,705 (-0.1)
2005-06	90,084 (2.5)	7,013 (0.2)	-33,947 (-1.0)	6,060 (0.2)	2,425 (0.1)
2006-07 (ब.अ.)	1,06,753 (2.6)	8,348 (0.2)	-5,773 (-0.1)	9,458 (0.2)	–
2006-07 (सं.अ.)	1,13,913 (2.8)	5,566 (0.1)	13,210 (0.3)	18,209 (0.4)	-2,733 (-0.1)
2007-08 (ब.अ.)	1,08,323 (2.3)	-11,973 (-0.3)	-1,225 (-0.0)	5,648 (0.1)	–

सं.अ. : संशोधित अनुमान ब.अ. : बजट अनुमान '-' उपलब्ध नहीं।

टिप्पणी : 1. (–) घाटा संकेतक के लिए अधिशेष दर्शाता है।

2. परंपरागत घाटे के रूप में समग्र अधिशेष या घाटा कुल संवितरण और कुल प्राप्तियों के बीच अंतर दर्शाते हैं। कुल प्राप्तियों में (i) राजस्व प्राप्तियां (ii) अर्थोपाय अग्रिम और भा.रि.बैंक से ओवरड्राफ्ट को छोड़कर पूंजीगत प्राप्तियाँ तथा (iii) लोक लेखा के अंतर्गत नकद शेष निवेश खाता एवं नकद शेष में आहरण को छोड़कर निवल प्राप्तियाँ शामिल हैं। कुल संवितरण में (i) राजस्व व्यय और (ii) अर्थोपाय अग्रिम की चुकौती भा.रि.बैंक से ओवरड्राफ्ट के अलावा पूंजीगत संवितरण शामिल हैं।

3. राजस्व घाटे से तात्पर्य है : राजस्व प्राप्तियों और राजस्व व्यय के बीच का अंतर।

4. कुल राजकोषीय घाटे से तात्पर्य है : निवल ऋण चुकौती के कुल संवितरण और कर्ज वसूली तथा राजस्व प्राप्तियों और ऋणेतर पूंजी प्राप्तियों में अंतर।

5. प्राथमिक घाटे से तात्पर्य है : ब्याज भुगतान निकालने के बाद सकल राजकोषीय घाटा।

6. कोष्ठकों के आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत है।

7. जम्मू और कश्मीर के 1990-91 से 2005-06 के आंकड़े तथा झारखंड के 2001-02 से 2005-06 के आंकड़े संशोधित अनुमानों से संबंधित हैं।

8. भारतीय रिज़र्व बैंक से राज्यों को निवल ऋण से तात्पर्य है : भारतीय रिज़र्व बैंक से राज्यों को उनकी भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी बुद्धिशील जमाराशियों के निवल आधार पर, दिए गए ऋण तथा अग्रिम में अंतर।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज और भारतीय रिज़र्व बैंक अभिलेख।